FA	1

राज्य स्तरीय आकलन

सत्र 2019–20

सुझावात्मक गतिविधियाँ

कक्षा : 6 **विषय :** हिन्दी

Paper Code : 6011 **पूर्णांक :** 10

निर्देश – खण्ड 'अ' से कोई एक गतिविधि तथा खण्ड 'ब' से कोई एक गतिविधि करावें।

खण्ड 'अ'

(अंक 05)

LO – L-603 - देखी सुनी रचनाओं/घटनाओं/मुद्दों पर बातचीत को अपने ढंग से आगे बढ़ाना।

कहानी बनाना

गतिविधि –(1) सर्वप्रथम बच्चों को गोल घेरे में बिठाएंगे। उन्हें एक परिचित कहानी की पहली लाईन शिक्षक के द्वारा सुनाई जाएगी। बच्चों द्वारा उस कहानी को क्रम से आगे बढ़ाया जाएगा। शिक्षक हर बच्चे के भाषायी ज्ञान, हाव–भाव एवं क्रियात्मक गतिविधि का अवलोकन करेंगे।

निर्देश – शिक्षक जिस कहानी की प्रथम पंक्ति को सुनायेंगे, वह बच्चों की सुनी हुई परिचित कहानी हो। (पुस्तकालय, शिक्षक, परिवेश, बड़े बुजुर्गो व घर से संबंधित सुनी हुई कोई प्रचलित कहानी हो सकती है। जैसे– बंदर–बांट, चालाक खरगोश, मगरमच्छ बंदर की मित्रता वाली कहानी आदि।

कौशल — (1) सृजन कौशल 01 अंक

(2) अभिव्यक्ति 01 अंक

(3) कल्पनाशीलता 01 अंक

(4) क्रमबंद्धता 01 अंक

(5) शब्द भंडार 01 अंक

अनुभव की अभिव्यक्ति

गतिविधि —(2) शाला के पुस्तकालय से पढ़ी गई, रचना/कहानी/ या अपने परिवेश में घटित किसी घटना को बच्चों के द्वारा बताया जायेगा। बच्चे अपनी राय देंगे। अपनी अभिव्यक्ति, हाव–भाव के साथ करेंगे एवं विचार प्रस्तुत करेंगे।

उदाहरण – कक्षा के एक बच्चे ने शाला आते हुए एक पागल को हाथ में डंडा लेकर लोगो को दौड़ाते हुए देखा। बच्चा बहुत भयभीत हो गया। तभी कक्षा का एक दूसरा बच्चा उस घटना के बारे में आगे बोलने लगा ———————— क्रमानुसार यह घटना आगे बढ़ेगी।

निर्देश — इसी प्रकार कोई भी एक घटना ले लें और बच्चे उसे आगे चर्चा करते हुए क्रमबद्ध तरीके से बढ़ाते जाएंगे। बच्चे अलग–अलग कोई भी घटना जो परिवेश से हो, घर की, शाला की देखी, सुनी हो बोल सकते हैं।

कौशल — (1) अभिव्यक्ति 01 अंक

(2) मनन, वाचन 01 अंक

(3) कल्पनाशीलता 01 अंक

(4) श्रवण कौशल 01 अंक

(5) शब्द भंडार 01 अंक

तकनीकी समझ

गतिविधि —(3) शिक्षक के द्वारा कोई वस्तु या मुद्दा यथा– मोबाईल दिया जाये, जिस पर बच्चों के साथ बातचीत व चर्चा करके बच्चों के अनुभव एवं समझ के बारे में आकलन किया जाएगा। बच्चे एक दूसरे से प्रश्न भी कर सकते हैं। 'मोबाईल' से संबंधित प्रश्न –

- मोबाईल की आवश्यकता
- मोबाईल का सदुपयोग एवं दुरुपयोग
- मोबाईल उपयोग में सावधानियाँ
- मोबाईल का दिनचर्या पर प्रभाव

निर्देश — शिक्षक के द्वारा कक्षा को बच्चों की संख्या के आधार पर समूह में बाँट दिया जाएगा।

1. समूह की संख्या के आधार पर विषय वस्तुओं (Topic) की पर्ची बनाकर एक डिब्बे में डाल दें।
2. अब प्रत्येक समूह के द्वारा पर्ची उठाकर अपने–अपने विषय लेकर समूह में चर्चा करेंगे। तत्पश्चात् अपने विचार अभिव्यक्त करेंगे। इसी तरह विभिन्न मुद्दों पर गतिविधियाँ कराई जा सकती है।

कौशल —

(1) अभिव्यक्ति	01 अंक
(2) मनन	01 अंक
(3) कल्पनाशीलता	01 अंक
(4) शब्द भंडार	01 अंक
(5) वाक्य संरचना	01 अंक

खण्ड – ब 05 अंक

LO-L-601-विभिन्न प्रकार की ध्वनियों (जैसे– बारिश, हवा, रेल, बस, फेरीवाला आदि) को सुनने के अनभुव, किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनभुव को अपने ढंग से मौखिक/सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं।

अनुभूतियों की शाब्दिक अभिव्यक्ति

गतिविधि –(1) किसी वस्तु के स्वाद आदि के अनुभव को अपने ढ़ंग से मौखिक सांकेतिक भाषा में प्रस्तुत करते हैं।

बच्चों के परिवेश में पाया जाने वाले खाद्य पदार्थ एवं उनके स्वाद को लेकर बच्चों से चर्चा करायी जाएगी। इस गतिविधि को करने के लिए एक अपारदर्शी डिब्बे में खाद्य पदार्थो को रखा जायेगा। बच्चों को जोड़ी में बुलाकर एक के आँख में पट्टी बाँधी जाएगी और दूसरा उसे खाद्य पदार्थो को खिलायेगा। बच्चा प्रत्येक के स्वाद पर अपना अनुभव बताएगा। इसी प्रकार प्रत्येक बच्चा बारी–बारी से इस गतिविधि को करेगा। स्वाद व अनुभव पर बच्चे बातचीत करेंगे। शिक्षक उनके अनुभवों पर अभिमत भी देंगे।

ध्वन्यात्मक विविधताओं की अनुभूति व अभिव्यक्ति

विभिन्न प्रकार की ध्वनियों (जैसे– बारिश, हवा, रेल, बस, फेरीवाला आदि) को सुनने के अनुभव,

गतिविधि –(2) कक्षा में उपस्थित बच्चों को संख्या के आधार पर समूह में बाँटेंगे। प्रत्येक समूह को अलग–अलग ध्वनि समूह देंगे।

जैसे – बच्चों के समूह को जानवरों की आवाज, पक्षियों की आवाज, मशीन की आवाज, वाद्य यंत्रों की आवाज, हवा, बहते हुए पानी, बादलों के गरजने आदि की आवाज पर चर्चा करने को कहेंगे। इन आवाजों से उन्हें कैसा अनुभव होता है? कौन सी आवाजें अच्छी लगती हैं और क्यो? इस पर शिक्षक बच्चों से चर्चा करेंगे।

अनुकरण/ स्वांग करना

गतिविधि –(3) कक्षा में बच्चों के साथ फेरीवाले के बारें में चर्चा करके उनके द्वारा निकाली जाने वाली आवाजों का अभिनय करके दिखाया जाएगा।

1. शिक्षक अलग–अलग फेरीवालों के नामों की पर्चियाँ तैयार करेंगे।
2. प्रत्येक बच्चों से बारी–बारी पर्ची उठाने कहा जाएगा।
3. पर्ची पर लिखे हुए नाम का अभिनय बच्चों के द्वारा किया जाएगा।
4. शिक्षक द्वारा अभिनय से संतुष्ट हो कर अंक दिये जाएंगे।